

J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad

(formerly YMCA University of Science and Technology) A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009 SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006

Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.ymcaust.ac.in



NEWS CLIPPING: 31.07.2019

PUNJAB KESARI

विनिर्माण क्षेत्र की कार्य प्रणाली और प्रबंधन पर तीन दिवसीय कार्यशाला

फरीदाबाद, 30 जुलाई (ब्युरो): जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाई एमसीए, फरीदाबाद के मैके निकल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा विजनरी लर्निंग कम्युनिटी ऑफ इंडिया (वीएलसीआई) के संयुक्त तत्वावधान में 'विनिर्माण उत्कष्टता कौशल तथा प्रवाह प्रबंधन' विषय पर तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है।

जापान इंटरनेशनल कारपोरेशन एजेंसी (जेआईसीए) द्वारा संचालित विजनरी लार्नर्स फार मैनुफेक्करिंग परियोजना (वीएलएफएम) के अंतर्गत विजनरी लर्निंग कम्यनिटी आफ इंडिया एक कार्यक्रम है।

कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा संकाय सदस्यों के कौशल विकास के लिए कार्यशाला आयोजित करने की सराहना की है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को रोजगार के लिए तैयार करने पहले औद्योगिक जरूरतों एवं समस्याओं को जानना बेहद जरूरी हैं। इसलिए, संकाय सदस्यों को औद्योगिक कार्य प्रणाली का ज्ञान प्राप्त करना चाहिए।

इस कार्यशाला का आयोजन मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभागाध्यक्ष



कार्यशाला में हिस्सा लेते हुए प्रतिभागी।

प्रो. तिलक राज की देखरेख में किया जा रहा है, जिसका संचालन डॉ. ओम प्रकाश मिश्रा तथा डॉ. महेश चंद कर रहे है।

कार्यशाला में विश्वविद्यालय से संबद्ध कालेजों, बहुतकनीकी संस्थानों तथा उद्योगों के प्रतिनिधि हिस्सा ले रहे है। प्रतिभागियों को वीएलसीआई की ओर से टीसी राणा द्वारा विनिर्माण उद्योग से संबंधित जटिल समस्याओं के समाधान को लेकर प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

डॉ. मिश्रा ने बताया कि इस कार्यशाला का उद्देश्य अकादिमक अध्ययन तथा औद्योगिक प्रशिक्षण की प्रक्रिया को एकीकत करते हए अकादिमक व औद्योगिक अंतराल को कम करना है तथा विनिर्माण क्षेत्र के लिए प्रशिक्षित इंजीनियर्स को तैयार करना है। इस कार्यक्रम के तहत औद्योगिक क्षमता तथा उत्पादन को बढाने के लिए विनिर्माण की अवधारणा को एक प्रवाह के रूप में क्रियान्वित करना है।

कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों को विनिर्माण प्रवाह प्रबंधन प्रणाली तथा उत्पादन सुधार के उपायों से अवगत करवाया जा रहा है तथा प्रशिक्षित दिया जा रहा है। कार्यशाला के दौरान प्रशिक्षण पाने वाले प्राध्यापक व उद्योग प्रतिनिधि आगे विद्यार्थियों तथा अपने क्षेत्र की लघु व मध्यम उद्यम इकायों को विनिर्माण सधारों से अवगत करवाएंगे।

पंजाब केसरी Wed, 31 July 2019

ई-पेपर https://epaper.punjabkesari.in/c/42022982





J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad

(formerly YMCA University of Science and Technology)
A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009
SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006

Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.ymcaust.ac.in



NEWS CLIPPING: 31.07.2019

NAVBHARAT TIMES

फटाफट खबरें

3 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

■ एनवीटी न्यूज, फरीदाबादः जेसी बोस (वाईएमसीए) यूनिवर्सिटी के मिकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग व विजनरी लर्निंग कम्युनिटी ऑफ इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में एक कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। विनिर्माण उत्कृष्टता कौशल व प्रवाह प्रबंधन विषय पर आयोजित होने वाली यह कार्यशाला तीन दिन तक चलेगी। इस मौके पर प्रफेसर तिलक राज, डॉ.ओमप्रकाश मिश्रा, डॉ.महेश चंद, टीसी राणा आदि मौजूद थे।



J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad

(formerly YMCA University of Science and Technology)
A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009
SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006

Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.ymcaust.ac.in



NEWS CLIPPING: 31.07.2019

HINDUSTAN

वाईएमसीए में कार्यशाला शुरू

फरीदाबाद। जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (वाईएमसीए) के मैकेनिकल इंजीनियरिंग व विजनरी लर्निंग कम्युनिटी ऑफ इंडिया (वीएलसीआई) की ओर से 'विनिर्माण उत्कृष्टता कौशल व प्रवाह प्रबंधन' परतीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें जापान इंटरनेशनल कारपोरेशन एजेंसी (जेआईसीए) की ओर से संचालित विजनरी लानर्स फॉर मैनुफेक्चरिंग परियोजना (वीएलएफएम) पर चर्चा किया गया।

इसका आयोजन मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभागाध्यक्ष के प्रो. तिलक राज की देखरेख में किया गया। जिसका संचालन डॉ. ओम प्रकाश मिश्रा तथा डॉ. महेश चंद ने किया।